अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 324 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 01 दिसंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में अण्डमान में "समुद्रिका" नौसेना समुद्री संग्रहालय पर प्रकाश डाला

श्री विजय पुरम, 30 नवंबर (इ.टा.)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह स्थित "समुद्रिका नौसेना संग्रहालय" उन स्थानों में से एक है जो नौसेना से संबंधित पर्यटन में रुचि रखने वाले लोगों को आकर्षित करता है। अपने कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने भारत की समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने वाले प्रमुख संस्थानों पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा, "नौसेना से संबंधित पर्यटन में रुचि रखने वालों के लिए हमारे देश में कई ऐसे स्थान हैं जहां वे बहुत कुछ सीख सकते हैं। श्री विजय पुरम, जिसे पहले पोर्ट ब्लेयर के नाम से जाना जाता था, में समुद्रिका नौसेना संग्रहालय इस क्षेत्र के समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए जाना जाता है।"

भारतीय नौसेना द्वारा प्रबंधित "समुद्रिका संग्रहालय", जो क्षेत्र के समुद्री पर्यावरण की व्यापक समझ प्रदान करता है, पर्यटकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक केंद्रीय आकर्षण रहा है। इतिहासकारों का कहना है कि 11वीं शताब्दी के चोल सम्राट राजेंद्र प्रथम ने श्रीविजय (जिसे अब इंडोनेशिया के नाम से जाना जाता है) पर आक्रमण करने के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को एक रणनीतिक नौसैनिक अड्डे के रूप में इस्तेमाल किया था। श्री विजय पुरम स्थित समुद्रिका नौसेना संग्रहालय में समुद्री जैव विविधता, स्थानीय जनजातियों/संस्कृति, नौसेना के इतिहास और उसके भूगोल पर पाँच दीर्घाएँ हैं।

संदेश

1988 से प्रत्येक वर्ष 01 दिसंबर को मनाया जाने वाला विश्व एड्स दिवस, यह स्मरण कराता है कि एचआईवी अभी भी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ है और विश्व भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। यह सरकारों, समुदायों और नागरिक समाज को एचआईवी और एड्स के विरूद्ध संघर्ष में एकजुट होकर उन लोगों को श्रद्धांजलि देने और एचआईवी से पीड़ित एवं प्रभावित सभी लोगों की सहायता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक मंच प्रदान करता है।

विश्व एड्स दिवस 2025 का विषय, "व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन", 2030 तक एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लिए हमारे दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने और पुनर्कल्पित करने की आवश्यकता पर बल देता है। यह रोकथाम, परीक्षण, उपचार ओर देखभाल सेवाओं तक पहुंच को बढ़ाने में परिवर्तनकारी समाधानों का आह्वान करता है। साथ ही मानव अधिकारों की रक्षा और सभी के लिए समान, सहानुभूतिपूर्ण चिकित्सा सेवा सुनिश्चित करते हैं, विशेषकर महिलाओं, बालिकाओं और LGBTQ+ समुदायों के लिए, जिन्हें अभी भी विषम बाधाओं का समाना करना पड़ रहा है।

आइए, इस अवसर पर हम एचआईवी–संबंधी सेवाओं तक पहुँच में बाधा डालने वाले अभिशाप, भेदभाव और असमानताओं को दूर करने का अपना संकल्प दोहराएँ। स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करना, समावेशी नीतियों को बढ़ावा देना और समुदायों में जागरूकता बढ़ाना, रोकथाम, उपचार और अनुसंधान में प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। मैं सभी व्यक्तियों को इन द्वीपों में उपलब्ध निःशुल्क और गोपनीय एचआईवी एवं एड्स सेवाओं का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करता हूँ।

दृढ़ संकल्प, एकता, अटूट प्रतिबद्धता और निरंतर मानवाधिकार–केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ, हम अब भी एड्स मुक्त विश्व के अपने साझा लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

शुभकामनाएँ

01 दिसम्बर, 'नागालैंड' राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में रह रहे नागालैंड के सभी निवासियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

अद्भूत पहाड़ियों, समृद्ध परंपराओं और दृढ़निश्चयी लोगों की भूमि, नागालैंड अपने रंग–बिरंगे त्योहारों, विविध संस्कृति और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह राज्य विरासत, एकता और गौरव का वास्तविक रत्न है।

आइए, हम इस राज्य की गौरवशाली विरासत एवं उल्लेखनीय प्रगति यात्रा के स्मरण में सम्मिलित होकर उन लोगों के अमूल्य योगदान का सम्मान करें जिनकी अटूट भावना 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का सार है।

मैं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में रह रहे नागालैंड के सभी निवासियों को स्थापना दिवस के हर्षोल्लासपूर्ण और सौहार्दपूर्ण समारोह की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह विशेष अवसर हमें अपनी एकता के बंधन को और सुदृढ़ करने और विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु सामूहिक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करे।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह मुख्यभूमि से संपर्क मजबूत करने के लिए ट्रैवल ईस्ट फेयर 2025 में पर्यटन पहुंच का विस्तार करेगा

कोलकाता, 30 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पर्यटन उद्योग ने कोलकाता में आयोजित 9वें ट्रैवल ईस्ट फेयर में एक महत्वपूर्ण आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी पर्यटन उद्योग में अपनी स्थिति मज़बूत करना है। 28 नवंबर, 2025 से शुरू होने वाला यह वार्षिक आयोजन पर्यटन स्थलों के प्रचार, पर्यटन नेटवर्किंग और पर्यटन उद्योग के हितधारकों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

पूरे भारत से यात्रा के प्रति उत्साही, कॉर्पोरेट खरीदार, टूर ऑपरेटर और नीति निर्माता सिटी सेंटर I में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए एकत्रित हुए हैं। मेले में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की उपस्थिति ने ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि यह मुख्यभूमि के बाज़ारों में पर्यटन के आकर्षण को बढ़ाने की क्षेत्र की योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेष रूप से आने वाले पीक यात्रा सीज़न से पहले।

गंतव्य दृश्यता पर ध्यान केंद्रित

ट्रैवल ईस्ट मेले में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की भागीदारी का मुख्य उद्देश्य इन द्वीपों को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाना है। इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाने वाले इस मेले में प्रशासन की उपस्थिति भारत के विविध पर्यटन परिदृश्य में इन द्वीपों के महत्व को रेखांकित करती है।

पर्यटन अधिकारी मुख्यभूमि के पर्यटन संचालकों के साथ मज़बूत संबंध स्थापित करने और उन्हें मज़बूत बनाने में ऐसे आयोजनों के महत्व को समझते हैं। टूर संचालकों और कॉर्पोरेट योजनाकारों तक सीधी पहुँच प्रदान करके, ये आयोजन सूचना के अभाव को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बना रहे।

सतत पर्यटनः एक केंद्रीय विषय

ट्रैवल ईस्ट मेले में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की भागीदारी का एक प्रमुख उद्देश्य सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है। समर्पित अण्डमान पर्यटन मंडप में, आगंतुकों को द्वीपसमूह के विविध पर्यटन अवसरों से परिचित कराया गया है, जिनमें प्राचीन समुद्र तट, जीवंत समुद्री जीवन और विविध प्रकार की पारिस्थितिक पर्यटन गतिविधियाँ शामिल हैं।

ये द्वीप लंबे समय से पर्यावरण के प्रति जागरूक यात्रियों के लिए

शेष पृष्ठ 4 पर

भारत सरकार द्वारा घोषित चार श्रम संहिताएं 21 नवम्बर, 2025 से लागू

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर

भारत सरकार ने चार श्रम संहिताओं–मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यशील परिस्थितियाँ संहिता 2020 को 21 नवम्बर, 2025 से लागू करने की घोषणा की है, जिसके तहत मौजूदा 29 श्रम कानूनों का तर्कसंगत संयोजन किया गया है।

श्रम विनियमों के आधुनिकीकरण, श्रमिक कल्याण को बढ़ावा देने और श्रम इकोसिस्टम को बदलती विश्व कार्य–प्रणाली के अनुरूप बनाने के माध्यम से यह ऐतिहासिक कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और अधिक मजबूत, सुदृढ़ उद्योगों की नींव रखता है, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति प्रदान करेगा।

चारों श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन औपनिवेशिक युग की संरचनाओं से आगे बढ़ने और आधुनिक वैश्विक रुझानों के अनुरूप होने की लंबे समय से लंबित आवश्यकता को पूरा करता है। ये संहिताएँ मिलकर श्रमिकों और उद्यमों दोनों को सशक्त बनाती हैं, जिससे संरक्षित, उत्पादक और बदलते कार्य–परिवेश के अनुरूप कार्यबल तैयार होता है, जो एक अधिक सक्षम, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करता है।

शेष पृष्ठ 4 पर

चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की गणना अवधि 11 दिसम्बर तक बढ़ा दी

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री एल. कुमार (आईएएस) ने सूचित किया कि भारत के निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, जिनमें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भी शामिल है, में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मतदाता सूची के कार्यक्रम में संशोधन किया है।

यह संशोधन 27 अक्टूबर, 2025 को जारी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को प्रतिस्थापित करता है।

संशोधित कार्यक्रम इस प्रकार हैः–

सारणी

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	तारीख
1.	गणना अवधि	11.12.2025 तक (गुरूवार)
2.	मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन	16 दिसम्बर, 2025 (मंगलार)
3.	दावे और आपत्ति दाखिल करने की अवधि	16 दिसम्बर, 2025 (मंगलवार) से 15 जनवरी, 2026
4.	नोटिस चरण (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन)	16 दिसम्बर, 2025 (मंगलवार) से 7 फरवरी, 2026 (शनिवार)
5.	अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन	14 फरवरी, 2026 (शनिवार)

गणना अवधि, जो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 दिसंबर, 2025 तक निर्धारित थी, को आयोग द्वारा बढ़ा दिया गया है, और गणना प्रपत्र जमा करने की नई अंतिम तिथि अब 11 दिसंबर, 2025 निर्धारित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी मतदाताओं से अपील की है कि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा वितरित किए गए गणना प्रपत्रों को 11 दिसंबर, 2025 की संशोधित अंतिम तिथि से पहले जमा कर दें। साथ ही मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि तक प्रपत्र जमा न करने पर उनके नाम 16 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं किए जाएंगे।

सीईओ ने ज़ोर देकर कहा कि वर्तमान में चल रहा गणना कार्य सटीक, त्रुटिरहित और समावेशी निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मतदाताओं को प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं, उनसे अनुरोध है कि वे प्रपत्रों को जल्द से जल्द जमा करें और किसी भी अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए अंतिम तिथि का इंतज़ार न करें।

सीईओ ने सभी पात्र मतदाताओं और राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे पूर्ण सहयोग प्रदान करें और अपने विधिवत भरे हुए गणना प्रपत्र बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) के पास या ज़िला निर्वाचन अधिकारी/सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (डीईओ/एईआरओ) के कार्यालयों में स्थापित सहायता केंद्रों पर शीघ्र जमा कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें।

किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर, मतदाता अपने बूथ स्तर अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं।

विश्व एड्स दिवस आज, नेताजी स्टेडियम से निकलेगी स्कूल और कॉलेज छात्रों की रैली

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर।

विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है, जो एचआईवी और एड्स के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने, रोकथाम और उपचार में प्रगति पर प्रकाश डालने और रोग से जुड़े कलंक और भेदभाव का मुकाबला करने के लिए समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस का विषय "व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन" है। यह विषय रोकथाम, उपचार और देखभाल के मौजूदा तरीकों को नया रूप देकर एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की वैश्विक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस दिवस के उपलक्ष्य में, अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एएनएसीएस) द्वारा

शेष पृष्ठ 4 पर

C M Y K +

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह मुख्यभूमि ——————पृष्ठ 1 का शेष

एक आश्रय स्थल रहे हैं, और उनके सतत पर्यटन प्रयास ज़िम्मेदार यात्रा के व्यापक वैश्विक रुझानों के अनुरूप हैं। मंडप पर्यावरण–अनुकूल पहलों, समुदाय–आधारित अनुभवों और उन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण के उद्देश्य से किए गए संरक्षण प्रयासों पर प्रकाश डालता है जो द्वीपों को इतना अनूठा बनाते हैं। ये प्रदर्शनियाँ ज़िम्मेदार पर्यटन के महत्व पर ज़ोर देने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जो आगंतुकों को द्वीपों के प्राकृतिक वातावरण का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं और साथ ही उनके अनुभवों का आनंद भी लेती हैं।

पर्यटन हितधारक विकास के लिए सहयोग करते हैं

ट्रैवल ईस्ट फेयर में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की भागीदारी का मूल आधार उद्योग सहयोग है। अण्डमान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, अण्डमान निकोबार टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन और आईटीटी मैजेस्टिक सहित प्रमुख पर्यटन संघों के प्रतिनिधि इस मंडप में सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं। इन संघों ने इस मंच का उपयोग नए यात्रा पैकेजों को बढ़ावा देने, मुख्यभूमि के ऑपरेटरों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने और सहयोग के नए अवसरों की खोज के लिए किया है।

संवाद और ज्ञान–साझाकरण के लिए एक मंच तैयार करके, इस मेले ने हितधारकों को पूरे भारत, खासकर पूर्वी क्षेत्र के टूर ऑपरेटरों के साथ संभावित साझेदारियों पर चर्चा करने का अवसर दिया है, जो द्वीपों पर आने वाले पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बाज़ार बना हुआ है। यह संवाद इन संगठनों को आज के यात्रियों की ज़रूरतों के अनुरूप अपनी पेशकशों को ढालने में महत्वपूर्ण रहा है, जो अब क्यूरेटेड, व्यक्तिगत यात्रा अनुभवों की तलाश में हैं।

पूर्वी भारत में बाज़ार संबंधों को मजबूत करना

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पर्यटन के लिए पूर्वी भारत को एक प्रमुख बाज़ार के रूप में पहचाना गया है, और प्रशासन ने इस क्षेत्र के साथ मज़बूत संबंध बनाने पर विशेष ज़ोर दिया है। यह मेला द्वीपसमूह के लिए पूर्वी भारत के पर्यटन उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों के साथ अपने संबंधों को मज़बूत करने का एक प्रभावी मंच प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि क्षेत्र के निवासियों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में उपलब्ध विविध अनुभवों के बारे में अच्छी जानकारी हो।

इस तरह के बाज़ार–केंद्रित जुड़ावों से पर्यटन प्रवाह में वृद्धि और क्षेत्र की पेशकशों की बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है, जिसमें न केवल समुद्र तट और समुद्री जीवन, बल्कि साहसिक पर्यटन, सांस्कृतिक अन्वेषण और पर्यावरण–अनुकूल गतिविधियों की संभावनाएँ भी शामिल हैं। यात्रियों की बदलती ज़रूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करके, प्रशासन को आने वाले महीनों में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि की उम्मीद है।

संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना: पर्यटन और संरक्षण

पर्यटन विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है। पर्यटन विभाग ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सभी पर्यटन पहलों के मूल में होगा। स्थानीय और मुख्यभूमि पर्यटन संचालकों के साथ सहयोग के माध्यम से, द्वीपसमूह का लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ स्थानीय अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक पर्यावरण दोनों एक साथ फल–फूल सकें।

ट्रैवल ईस्ट मेले में, द्वीपों की अपनी अनूठी पारिस्थितिकी प्रणालियों के संरक्षण और एक स्थायी पर्यटन मॉडल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया गया। पर्यटन विभाग ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि ज़िम्मेदार पर्यटक व्यवहार को प्रोत्साहित करना न केवल द्वीपों की भलाई के लिए, बल्कि उनके पर्यटन क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए भी ज़रूरी है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पर्यटन के लिए आगे की राह

30 नवंबर को ट्रैवल ईस्ट फेयर के समापन के साथ, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन अपनी भागीदारी के परिणामों को लेकर आशावादी बना हुआ है। मंडप में आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि और प्रमुख हितधारकों के साथ मज़बूत संबंधों के परिणामस्वरूप मुख्यभूमि बाज़ार में और अधिक पर्यटन पैकेज उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस प्रदर्शन से पर्यटन के चरम सीज़न से पहले के महीनों में संभावित आगंतुकों और टूर ऑपरेटरों का भी अधिक ध्यान आकर्षित होने की संभावना है।

प्रशासन की व्यापक रणनीति का उद्देश्य पर्यटन प्रवाह को पुनर्जीवित और सुदृढ़ करना है, और ट्रैवल ईस्ट फेयर जैसे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पर्यटन मंचों में भागीदारी को इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। ऐसे आयोजनों में लगातार भाग लेकर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह अपनी गति बनाए रखने और भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक शीर्ष गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने की आशा करता है।

जैसे–जैसे पर्यटन महामारी के प्रभावों से धीरे–धीरे उबर रहा है, इस क्षेत्र में विश्वास के पुनर्निर्माण और उसे बनाए रखने के लिए इस तरह की पहल को आवश्यक माना जा रहा है। स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने, उद्योग के हितधारकों के साथ जुड़ने और क्षेत्र की विविध पर्यटन पेशकशों को उजागर करने के निरंतर प्रयासों के साथ, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह 2025 में एक मजबूत सुधार के लिए तैयार है।

निष्कर्ष

द्वीपसमूह के पर्यटन आकर्षण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम, विशेष रूप से मुख्यभूमि भारत में, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की 9वें ट्रैवल ईस्ट मेले में उपस्थिति है। ये द्वीपसमूह अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करने और आने वाले महीनों में टिकाऊ पर्यटन, उद्योग सहयोग और महत्वपूर्ण बाज़ारों तक पहुँच पर ज़ोर देकर भारत के फलते–फूलते पर्यटन उद्योग के विस्तार में सहयोग देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

इन अवसरों का लाभ उठाकर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह खुद को इस क्षेत्र में एक शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की आशा करता है, जिससे आगंतुकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी ज़ोर दिया जा सके। (स्रोत: **www.travelandtourworld.com**)

भारत सरकार द्वारा घोषित चार श्रम संहिताएं 21 ——————पृष्ठ 1 का शेष

श्रम संहिताओं के लागू होने से पहले और बाद में श्रम इकोसिस्टम की तुलना इस प्रकार है:

	श्रम सुधारों से पहले	श्रम सुधारों के बाद
रोज़गार का औपचारीकरण	नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य नहीं था	सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य है। लिखित प्रमाण पारदर्शिता, नौकरी सुरक्षा और स्थिर रोज़गार सुनिश्चित करेगा।
सामाजिक सुरक्षा कवरेज	सामाजिक सुरक्षा कवरेज सीमित था	सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत गिग और प्लेटफॉर्म कर्मचारियों सहित सभी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान किया जाएगा। सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे।
न्यूनतम मज़दूरी	न्यूनतम मज़दूरी केवल निर्धारित उद्योगों/रोज़गारों पर लागू होती थी, बड़ी संख्या में मज़दूर इसके दायरे से बाहर थे	मज़दूरी संहिता, 2019 के तहत सभी श्रमिकों को कानूनी अधिकार के रूप में न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा। न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान से आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।
निवारक स्वास्थ्य देखभाल	नियोक्ताओं के लिए श्रमिकों को निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जाँच प्रदान करने की कोई कानूनी अनिवार्यता नहीं थी	नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रमिकों को निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान करना अनिवार्य है। इससे समय पर निवारक स्वास्थ्य देखभाल की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
समय पर वेतन	नियोक्ताओं के लिए समय पर वेतन भुगतान की कोई अनिवार्य अनुपालना व्यवस्था नहीं थी	नियोक्ताओं के लिए समय पर वेतन प्रदान करना अनिवार्य है, जिससे वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होती है, कार्य तनाव कम होता है और श्रमिकों का समग्र मनोबल बढ़ता है।
महिला कार्यबल भागीदारी	महिलाओं के रात की पाली में कार्य करने और कुछ विशिष्ट व्यवसायों में रोज़गार पर प्रतिबंध था	महिलाओं को उनकी सहमति और आवश्यक सुरक्षा उपायों के तहत सभी प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली सहित सभी प्रकार के कार्यों में काम करने की अनुमति है। इससे महिलाओं को उच्च वेतन वाले कार्यों में समान अवसर प्राप्त होंगे और वे अधिक आय अर्जित कर सकेंगी।
ईएसआईसी कवरेज	ईएसआईसी कवरेज केवल अधिसूचित क्षेत्रों और विशिष्ट उद्योगों तक सीमित था, 10 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठान सामान्यतः शामिल नहीं थे, और खतरनाक प्रक्रिया वाले इकाइयों में पूरे भारत में समान अनिवार्य कवरेज नहीं था	ईएसआईसी कवरेज और लाभ पूरे भारत में विस्तारित किए गए हैं– 10 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए स्वैच्छिक, और खतरनाक प्रक्रियाओं में लगे एक भी कर्मचारी वाले प्रतिष्ठानों के लिए अनिवार्य। सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार किया जाएगा।
अनुपालन बोझ	विभिन्न श्रम कानूनों के अंतर्गत कई अलग–अलग पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न दाखिल करने पड़ते थे	एकल पंजीकरण, पूरे भारत के लिए एकल लाइसेंस और एकल रिटर्न। प्रक्रियाएँ सरल हुई हैं और अनुपालन बोझ में कमी आई है।

श्रम संहिता कई अतिरिक्त सुधारों की शुरुआत करती हैं, जो श्रमिक संरक्षण को मजबूत करती हैं और नियोक्ताओं के लिए अनुपालन को सरल बनाती हैं:

- राष्ट्रीय फ्लोर वेज ताकि कोई भी श्रमिक न्यूनतम जीवन स्तर से कम वेतन न पाए।
- लैंगिक–तटस्थ वेतन और रोज़गार के अवसर, जिसमें ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विरुद्ध भेदभाव को भी स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया है।
- इंस्पेक्टर–कम–फैसिलिटेटर प्रणाली, जिसमें प्रवर्तन को दंडात्मक कार्रवाई के बजाय मार्गदर्शन, जागरूकता और अनुपालन सहायता की ओर स्थानांतरित किया गया है।
- तेज़ और पूर्वानुमेय विवाद समाधान, दो–सदस्यीय औद्योगिक न्यायाधिकरणों के साथ, तथा सुलह के बाद सीधे ट्रिब्यूनल में जाने का विकल्प।
- एकल पंजीकरण, एकल लाइसेंस और एकल रिटर्न, सुरक्षा और कार्यस्थितियों की आवश्यकताओं के तहत, जिससे कई ओवरलैपिंग फाइलिंग की आवश्यकता समाप्त होती है।
- राष्ट्रीय ओएसएच बोर्ड, जो सभी क्षेत्रों में एकरूप सुरक्षा और स्वास्थ्य मानक निर्धारित करेगा।
- 500+ श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों में अनिवार्य सुरक्षा समितियाँ, जिससे कार्यस्थल की जवाबदेही में सुधार होगा।
- कारखानों की उच्च लागू सीमा, जिससे छोटे इकाइयों पर विनियामक भार कम होगा, जबकि श्रमिकों के लिए सभी सुरक्षा उपाय यथावत रहेंगे।

कोड के वे प्रावधान जिनके लिए किसी नियम, विनियम, उप–विधि, योजना आदि की आवश्यकता नहीं है, कोड के प्रवर्तन की तिथि से ही तुरंत प्रभावी हो गए। कोड के वे प्रावधान जिनके लिए नियम, विनियम, उप–विधि, योजनाएँ आदि आवश्यक हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद प्रभावी होंगे।श्रम आयुक्त और रोज़गार एवं प्रशिक्षण निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चारों श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम है, जिससे सामाजिक सुरक्षा का दायरा और व्यापक होता है तथा राज्यों और क्षेत्रों के बीच लाभों की पोर्टेबिलिटी सुनिश्चित होती है।

विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत संरक्षण और अधिकारों की देशव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ ये संहिताएँ श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों, को श्रम शासन के केंद्र में स्थापित करती हैं। अनुपालन बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य व्यवस्था को सक्षम बनाकर ये संहिताएँ रोज़गार, कौशल विकास और उद्योग वृद्धि को प्रोत्साहित करती हैं, तथा सरकार की श्रमिक–हितैषी, महिला–हितैषी, युवा–हितैषी और रोज़गार–उन्मुख श्रम प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करती हैं।

विश्व एड्स दिवस आज, नेताजी स्टेडियम से ——————पृष्ठ 1 का शेष

द्वीपसमूह भर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिनमें समाज के सभी वर्गों विशेषकर युवाओं और किशोरों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। नियोजित प्रमुख गतिविधियों में 1 दिसंबर, 2025 (सोमवार) को सुबह 7 बजे नेताजी स्टेडियम से लाल टी–शर्ट और लाल टोपी पहने स्कूली और कॉलेज के छात्रों की एक रैली भी शामिल है, जो वीर सावरकर पार्क के सामने राष्ट्रीय स्मारक (सेल्यूलर जेल) पर समाप्त होगी। रैली में भाग लेने वाले लोग सुबह 6 बजे तक नेताजी स्टेडियम पहुंचेंगे। रैली में 20 स्कूलों और 11 कॉलेजों के लगभग 600 छात्रों के भाग लेने की उम्मीद है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रैली को अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की स्वास्थ्य सचिव श्रीमती ऋचा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, जो इस अवसर की मुख्य अतिथि होंगी तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. (श्रीमती) सुजा एंटनी, सीएमओ (एनएफएसजी) मुख्य अतिथि होंगी। रैली शुरू होने से पहले छात्र नेताजी स्टेडियम के मैदान पर एकत्रित होकर एचआईवी और रेड रिबन बनाएंगे, जिसके बाद रैली शुरू होगी।

द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैवविविधता पर कार्यशाला सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण में कल तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन कार्यक्रम का आयोजन में किया गया। यह कार्यशाला द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर आधारित थी, जिसमें अन्य सेवाओं के कार्मिकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "वानिकी प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास" के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के पूर्व निदेशक डॉ. कैलाश चंद्र उपस्थित थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में डॉ. अनिल अड्डेपल्ली (आईएफएस), मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण एवं वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह तथा प्रो. (डॉ.) पी. वी. नागेन्द्र सरमा, प्राचार्य, अण्डमान लॉ कॉलेज उपस्थित रहे। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा कई ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के साथ क्षेत्रीय व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल था।

अपने भाषण में डॉ. कैलाश चंद्र ने कहा कि प्रकृति का अध्ययन जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है। उन्होंने भारत एवं अन्य देशों में जैव विविधता संबंधी अनुसंधान के अपने चवालीस से अधिक वर्षों के अनुभव का उल्लेख किया।

अपने संबोधन में डॉ. अनिल अड्डेपल्ली ने सभी विभागों के लिए तटीय एवं समुद्री पारिस्थितिकी के ज्ञान के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान चर्चा किए गए विचारों के

अनुरूप कहा कि संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए सतत प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है।

प्रो. (डॉ.) पी. वी. नागेन्द्र सरमा ने अपने भाषण में कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण तीन प्रमुख सिद्धांतों–सतत विकास, सार्वजनिक न्यास सिद्धांत और पूर्ण दायित्व द्वारा संचालित है।

अपने स्वागत भाषण में डॉ. सी. शिवपेरुमन, वैज्ञानिक–एफ एवं पाठ्यक्रम निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, ने बताया कि यह इस वर्ष मंत्रालय द्वारा "अन्य हितधारकों और अन्य सेवाओं" के लिए आयोजित तीसरा लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अंत में मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

24वें राज्य स्तरीय विद्यालय खेलकूद एवं 9वीं राज्य स्तरीय सीडब्ल्यूएसएन की प्रतियोगिता के परिणाम

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर

24वें राज्य स्तरीय विद्यालय खेलकूद एवं 9वीं राज्य स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें सभी नौ शैक्षिक अंचलों के खिलाड़ियों ने प्रभावशाली एवं उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 24वें राज्य स्तरीय विद्यालय खेलकूद 2025 और 9वीं राज्य स्तरीय सीडब्ल्यूएसएन प्रतियोगिता का समापन कल शाम 4 बजे होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 24वें राज्य स्तरीय विद्यालय खेलकूद में शतरंज (टीम स्पर्धा) में श्री विजय पुरम के जे.एस. विराट, श्रीहान कर्माकर, तनीशा राज तथा श्रुति आर., विम्बर्लीगंज के असरक पी. पी., मोहम्मद ज़ायद, नंदिनी तथा प्रिया सिंह, रंगत की मल्लिका मंडल, रानी घातक, रूद्र नाथ तथा ईशान मंडल को क्रमशः पहला तीन स्थान मिला। लड़कों के योग में श्री विजय पुरम के निरज रॉय, मिराज शेख, अनबरसन, डिगलीपुर के अमन विश्वास, विद्युत दास, अमित डे तथा शिवजित दास तथा विम्बर्लीगंज के एस. नीरज, जी. कोटेश, बी. तरूण तथा विशाल खल्खो को क्रमशः पहला तीन स्थान प्राप्त हुआ। लड़कियों के योग में श्री विजय पुरम की एल. सहिती, बी. योशिका, श्रीयंका रॉय, डिगलीपुर की रिया मंडल, तृषा सरकार, संगीता बिश्वास तथा दिव्या बिश्वास और विम्बर्लीगंज की करीना कुमारी, शिल्पी मंडल, एम.एम. मर्सिलिन तथा अर्पिता दास को क्रमशः पहला तीन स्थान मिला।

लड़कों के एकल टेबल टेनिस में लिटिल अण्डमान के देवतनु सेन विजेता, रंगत के शुभो रॉय उप विजेता रहे। लड़कों के युगल टेबल टेनिस में लिटि अण्डमान के देवतनु सेन तथा अक्षव मिस्त्री उप विजेता तथा श्री विजय पुरम के जासन इसाक पलास्कर और शुभ श्रीवास्तव उप विजेता रहे। लड़कियों के एकल टेबल टेनिस में लिटिल अण्डमान की रिया दास विजेता तथा श्री विजय पुरम की ट्रिनिटी उप विजेता घोषित। लड़कियों के युगल टेबल टेनिस में श्री विजय पुरम के के. अनन्या और ट्रिनिटी विजेता तथा डिगलीपुर के स्वास्तिका मंडल और ऋतिका एक्का उप विजेता घोषित। लड़कियों के एकल बैडमिंटन में श्री विजय पुरम की वाई. लक्ष्या विजेता तथा विम्बर्लीगंज की पी. शकीबा उप विजेता घोषित। लड़कियों के युगल बैडमिंटन में श्री विजय पुरम की वाई. लक्ष्या और जी. लक्ष्मिता विजेता तथा रंगत की ऋतिका राज और दिव्या उप विजेता घोषित।

लड़कों के 20 किलोमीटर रोड साइकिल रेस में डिगलीपुर के सुमित दास, श्री विजय पुरम के डी. ओम परीक्षित तथा कार निकोबार के पी. रॉनी ऑस्विन और लड़कियों के दस किलोमीटर रोड साइकिल रेस में कार निकोबार की दोरोथी, कार निकोबार की विनीता एस्टर तथा कार निकोबार की जेनेथ रीता को क्रशमः पहला तीन स्थान प्राप्त हुआ।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, मीठाखाड़ी की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/150
कार्य का नाम : मीठाखाड़ी ग्राम पंचायत के अंतर्गत मुस्लिम बस्ती में जे पी मिश्रा की भूमि पर मौजूदा थॉमस रोड से ग्रामीण सड़क का निर्माण कार्य।
अनुमानित लागत : रु. 18,22,205/–, धरोहर राशि : रु. 36,444/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/12/2025 के सायं 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_20742_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

DISTRICT CHILD PROTECTION UNIT
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
NORTH & MIDDLE ANDAMAN DISTRICT
MAYABUNDER
******

Dated the 27thNovember, 2025

INTERVIEW NOTICE

The Personal Interview along-with Document Verification and Trade Test for the Post of Project Coordinator in Child Helpline under District Child Protection Unit (DCPU) under Mission Vatsalya Scheme is scheduled to be held on 11.12.2025, at 11.00 AM at Deputy Commissioner's Office, N&M Andaman district, Mayabunder.

All the eligible candidates applied for the post of Project Coordinator are directed to present at 9.00 AM for Document Verification, Trade Test and Personal Interview at District Child Protection Unit, Deputy Commissioner's Office, N&M Andaman district, Mayabunder.

In view of this, an Eligible/in-eligible list of applications for the said post is uploaded on the Administration website i.e. (www.andaman.gov.in) and (https://northmiddle.andaman.nic.in/).

Any clarification regarding the abovementioned recruitment can be obtained over telephone No. 03192-273127.

Assistant Commissioner (HQ),
North & Middle Andaman
Mayabunder

ई–निविदा सूचना

F.No.EL/NRSE/Tech/7-5(6)/2025/1167 दिनांक 20 नवम्बर, 2025

कार्यकारी अभियंता (एनआरएसई), विद्युत विभाग, अंडमान और निकोबार प्रशासन एनआरएसई डिवीजन, विद्युत विभाग के तहत राजनिवास, श्री विजय पुरम, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में मौजूदा 50 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए 50 किलोवाट हाइब्रिड इन्वर्टर की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण के लिए दो बोली प्रणाली में ई–निविदाएं आमंत्रित करता है।

परियोजना की अनुमानित लागत रु. 30,40,000/– (लगभग) तथा ईएमडी रु. 60,800/– (रुपए साठ हजार आठ सौ मात्र) निर्धारित की गई है। ईएमडी को 29/12/2025 के अपराहन 1600 बजे से पूर्व कार्यकारी अभियंता (एनआरएसई), विद्युत विभाग के टेंडर बॉक्स में जमा करना आवश्यक है। ईएमडी निविदा खोलने की निर्धारित तिथि एवं समय से पहले इस कार्यालय में प्राप्त हो जानी चाहिए।

स्टार्टअप पंजीकरण और NSIC प्रमाणन के तहत ईएमडी के भुगतान से छूट का दावा करने वाली MSE/स्टार्टअप इंडिया फर्में/बोलीदाता अपने वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति विद्युत विभाग के विभागीय टेंडर बॉक्स में बोली की अंतिम तिथि और समय अर्थात 29/12/2025 के अपराहन 1600 बजे से पहले जमा करें।

निविदा दस्तावेज, नियम एवं शर्तों सहित, पोर्टल https://eprocure.andaman.gov.in/nicgep/app पर उपलब्ध है तथा डाउनलोड किया जा सकता है।

निविदा प्रकाशन तिथि : 25/11/2025 के पूर्वाहन 10.00 बजे।
बिड दस्तावेज डाउनलोड प्रारंभ तिथि : 27/11/2025 के पूर्वाहन 10.00 बजे।
बिड जमा करने की प्रारंभ तिथि : 27/11/2025 के पूर्वाहन 10.00 बजे।
बिड जमा करने की अंतिम तिथि : 29/12/2025 के अपराहन 1600 बजे।
तकनीकी बोली खोलने की तिथि : 30/12/2025 के अपराहन 1530 बजे।
वित्तीय बोली खोलना बाद में सूचित किया जाएगा।

भविष्य में किसी भी प्रकार के संशोधन/परिवर्तन के लिए हमारी वेबसाइट https://eprocure.andaman.gov.in@nicgep/app देखें।
निविदा आईडी : 2025_ED_20654_1

कार्यकारी अभियंता (एनआरएसई), विद्युत विभाग

उड़ान भरेगा भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट, जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक... क्या होता है पूरा प्रॉसेस?

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

भारत स्पेस तकनीक में लगातार ऊंचाइयां छू रहा है. देश में अबतक ज्यादातर रॉकेट और मिशन इसरो ही लांच करता था, लेकिन अब इस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों की एंट्री हो चुकी है. हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद स्थित स्काई रूट एयरोस्पेस के इंफिनिटी कैंपस में देश के पहले प्राइवेट रॉकेट विक्रम–1 का अनावरण किया है.

यह रॉकेट छोटे और माइक्रो सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है और इसे भारत के स्पेस सेक्टर में नए युग की शुरुआत भी माना जा रहा है.

पृथ्वी से लगभग 100 किलोमीटर ऊपर जहां एनवायरमेंट खत्म होने लगता है. वहीं से अंतरिक्ष की शुरुआत मानी जाती है. इस सीमा को कार्मन लाइन कहा जाता है. कोई भी रॉकेट जब इस ऊंचाई को पार कर लेता है और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ पर्याप्त गति हासिल कर लेता है. तभी वह अंतरिक्ष में पहुंच पाता है. वहीं सैटेलाइट को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने के लिए लगभग 7.8 किलोमीटर प्रति सेकंड यानी करीब 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार चाहिए. इतनी तेज गति सिर्फ रॉकेट ही दे सकता है. वहीं रॉकेट के पीछे से तेजी से गैस बाहर निकलती है और न्यूटन के तीसरे नियम के अनुसार रॉकेट को आगे की दिशा में धक्का मिलता है इसी धक्के को थ्रस्ट कहा जाता है.

रॉकेट अपने साथ दो चीजे यूल और ऑक्सिडाइजर लेकर चलता है. ऊंचाई पर हवा न होने के कारण रॉकेट को ऑक्सीजन बाहर से नहीं मिलती इसलिए वह खुद ऑक्सीजन

लेकर चलता है. इसके इंजन में फ्यूल और ऑक्सिडाइजर के मिलने से अत्यधिक गर्म गैसे बनती है जो पीछे की ओर तेजी से निकलती है और रॉकेट को ऊपर की ओर धक्का देती है. वहीं रॉकेट को कहीं हिस्सों में बनाया जाता है जिन्हें स्टेज कहा जाता है. रॉकेट का सबसे नीचे वाला स्टेज सबसे ज्यादा ईंधन लिए होता है और शुरुआत में सबसे ज्यादा थ्रस्ट देता है. ईंधन खत्म होते ही यह हिस्सा गिरा दिया जाता है ताकि बाकी का रॉकेट हल्का हो जाए और ज्यादा गति पा सके. इस तरह दूसरा और तीसरा स्टेज भी अपना काम पूरा होने पर अलग हो जाता है. लास्ट में बचा हुआ ऊपरी हिस्सा पेलोड यानी सैटेलाइट को उसकी कक्षा में स्थापित करता है.

स्काई रूट एयरोस्पेस की तरफ से विकसित विक्रम–1 भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट है. इसका नाम इसरो के संस्थापक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है. यह छोटे और माइक्रो सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए तैयार किया गया है.

इतिहास के पन्नों में 01 दिसंबरः एड्स को लेकर जागरुकता बढ़ाने का दिन

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

साल 1988 से हर वर्ष 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व एड्स दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा चिह्नित ग्यारह आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है।

एड्स का पूरा नाम 'एक्वायर्ड इम्यूलनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम' है और यह एक तरह का विषाणु है, जिसका नाम एचआईवी है। साल 2020 तक एड्स ने दुनिया भर में करीब 36.3 मिलियन लोगों की जान ले ली है और अनुमानित 37.7 मिलियन लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं।

अन्य अहम घटनाक्रमः–1640 – स्पेन से 60 वर्षों की गुलामी के बाद पुर्तग़ाल स्वतंत्र हुआ।

1933 – कलकत्ता और ढाका के बीच विमान सेवा की शुरूआत।

1959 – अंटार्कटिका के शांतिपूर्ण वैज्ञानिक इस्तेमाल के लिए 12 राष्ट्रों ने संधि पर हस्ताक्षर किये।

1963 – नागालैंड भारत का 16वां राज्य बना।

1974 – वर्जीनिया के अपरविले में बोइंग 727 विमान दुर्घटनाग्रस्त, 92 की मौत।

1976 – अंगोला संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।

1987 – अफ़ग़ानिस्तान के नये संविधान के अंतर्गत डाक्टर नजीबुल्लाह राष्ट्रपति निर्वाचित।

1992 – दक्षिण कोरिया एवं दक्षिण अफ़्रीका में राजनयिक संबंध स्थापित।

1997 – चेचेन्या को विदेशी नागरिकों के लिए निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया।

ब्रिटेन के साथ सैन्य अभ्यास 'अजेय वारियर' में भारत ने बढ़ती रक्षा निर्माण क्षमताओं का किया प्रदर्शन

बीकानेर, 30 नवंबर।

राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत–यूके संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अजेय वारियर–25' रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पंद्रह–दिवसीय प्रशिक्षण दोनों सेनाओं के बीच बढ़ते सामरिक तालमेल, पेशेवर क्षमता और संयुक्त ऑपरेशनल तैयारी का प्रभावशाली प्रमाण रहा।

जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार संयुक्त राष्ट्र द्वारा परिभाषित परिदृश्यों के अनुरूप अर्ध–शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद–रोधी अभियानों पर केंद्रित अभ्यास के आठवें संस्करण में दोनों सेनाओं के कुल 240 चयनित सैनिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस संयुक्त अभ्यास में भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट तथा यूके सेना की रॉयल गोरखा रेजिमेंट के सैनिकों ने उन्नत सामरिक युद्धाभ्यास, हेलीबोर्न ऑपरेशन, रूम–इंटरवेंशन, कॉर्डन–एंड–सर्च ड्रिल, संयुक्त योजना सत्र और ऑपरेशनल चर्चाओं में हिस्सा लिया। वेलिडेशन फेज के दौरान दोनों टुकड़ियों द्वारा प्रदर्शित उच्च स्तरीय इंटर ऑपरेबिलिटी, सटीकता और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सैनिकों के सम्मान ने दोनों सेनाओं के बीच विकसित हुई सौहार्दपूर्ण भावना और आपसी विश्वास को और प्रगाढ़ किया। आत्मनिर्भर भारत की भावना को बल देते हुए स्वदेशी हथियार प्रणालियों की एक विशेष उपकरण प्रदर्शनी भी समारोह का हिस्सा रही, जिससे भारत की बढ़ती रक्षा–निर्माण क्षमता का प्रदर्शन हुआ। अजेय वारियर–25 ने भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मजबूत और दीर्घकालीन रक्षा सहयोग को नई ऊर्जा प्रदान की है, साथ ही वैश्विक शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए दोनों राष्ट्रों की साझा प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया है।

चीन करने जा रहा है अनोखा काम, बॉर्डर पर सुरक्षा के लिए तैनात करेगा रोबोट, जल्दी होगी शुरुआत

पेचिंग, 30 नवम्बर।

चीन अपनी बॉर्डर पर एक अनोखा काम करने वाला है. दरअसल, यहां बॉर्डर पर भीड़ नियंत्रण और गाइडेंस के लिए ह्यूमनॉयड रोबोट का ट्रायल शुरू होने वाला है. सबसे पहले वियतनाम के साथ लगती देश की बॉर्डर पर इसका ट्रायल किया जाएगा. बता दें कि चीन धीरे–धीरे अपनी पब्लिक सर्विस और बॉर्डर मैनेंजमेंट में एडवांस्ड रोबोटिक्स का इस्तेमाल बढ़ाने पर जुटा हुआ है. इस ट्रायल के लिए न्ठज्मबी त्वइवजपबे को पहला बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है. आइए इस बारे में डिटेल से जानते हैं.

UBTech Robotics को इस ट्रायल के लिए रोबोट सप्लाई करने का करीब 330 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है. इसमें कंपनी के Walker S2 रोबोट का यूज होगा, जिसमें खुद का पावर सिस्टम है. यानी ये रोबोट खुद ही बैटरी स्वैप करने में सक्षम होंगे, जिस कारण इनका लंबा इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सकेगा. ट्रायल के दौरान इन रोबोट की प्रैक्टिकलिटी और असल दुनिया में काम करने की काबिलियत को जांचा जाएगा. इनका काम बॉर्डर पर पर्यटकों को गाइडेंस देना, सामान ढोने और ड्यूटी मैनेजमेंट में मदद करना होगा. अगले महीने से इन रोबोट की डिलीवरी शुरू हो जाएगी.

Walker S2 को इसी साल जुलाई में लॉन्च किया गया था और इसकी ऊंचाई करीब 1.76 मीटर है. लेक्सिबल हाथ–पैरों वाले इस रोबोट में कुल 52 ज्वाइंट हैं. इसके हाथों में भी कई ज्वाइंट्स है, जिससे यह बारीक काम करने के साथ–साथ 15 किलोग्राम तक वजन उठा सकता है. यह इंसानों के बराबर लगभग 7 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चल और भारी सामान उठाने पर खुद को बैलेंस रख सकता है. इसे खुद की बैटरी स्वैप करने में सिर्फ तीन मिनट का समय लगता है. इस रोबोट में इंसानों की आंखों की जगह दो कैमरे लगे हुए हैं. इसके अंदर मशीनी दिमाग लगाया गया है, जो खुद के फैसले ले सकता है.

डीजीसीए ने कहा, देश में प्रभावित 338 विमानों में से 323 का सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन पूरा

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय–डीजीसीए ने कहा है कि देश में प्रभावित 338 विमानों में से 323 में सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन पूरा हो चुका है। इनमें इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान शामिल हैं। अनिवार्य सुरक्षा संशोधन पूरा डीजीसीए द्वारा एयरबस ए 320 द्वारा संचालित उड़ानों को तत्काल रोकने के आदेश के बाद सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन किया जा रहा है। डीजीसीए ने कहा कि इंडिगो ने अपने 200 विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन पूरी तरह से पूरा कर लिया है, जिससे निर्देश का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो गया है। एयर इंडिया ने ए320 के 113 विमानों के बेड़े में से 100 का अपडेटेशन पूरा कर लिया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी अपने 25 ए320 विमानों में से 23 में सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन पूरा कर लिया है। डीजीसीए ने ऑपरेटरों को अपने अनुपालन रिकॉर्ड को भी अद्यतन करने का निर्देश दिया है। इसमें कहा गया है कि आवश्यक सुरक्षा मानकों को पूरा किए बिना किसी भी विमान को सेवा में नहीं रखा जाना चाहिए।

नई दिल्ली में आज से सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025 का आगाज, 25 राज्यों के 500 से अधिक व्यंजनों का मिलेगा स्वाद

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आगामी सोमवार से नई दिल्ली स्थित सुंदर नर्सरी में आयोजित सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025 का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान भी मौजूद रहेंगे। यह फेस्टिवल भारतीय संस्कृति और भोजन की विविधता को एक ही स्थान पर प्रदर्शित करेगा।

सरस फूड फेस्टिवल में 62 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 25 राज्यों की 300 से ज्यादा लखपति दीदीयां और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भाग ले रही हैं। यह फेस्टिवल 9 दिसंबर तक चलेगा और सुबह 11.30 बजे से रात 9.30 बजे तक सभी दर्शकों के लिए खुला रहेगा। आयोजन स्थल सुंदर नर्सरी, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स मार्ग, निजामुद्दीन (हुमायूं के मकबरे के पास) रखा गया है। यहां आने वाले लोगों को भोजन के साथ–साथ विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी।

यह फेस्टिवल महिला सशक्तिकरण की एक मजबूत मिसाल है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत तैयार स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं न केवल ग्रामीण उत्पाद बनाने में माहिर हैं, बल्कि अलग–अलग राज्यों के पारंपरिक व्यंजन बनाने में भी दक्ष हैं। इस आयोजन का उद्देश्य इन महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना और देशभर में ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित करना है। फेस्टिवल के 62 स्टॉलों में से 50 लाइव फूड स्टॉल हैं जबकि 12 प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल हैं।

इस साल सरस फूड फेस्टिवल में 25 राज्यों के 500 से अधिक व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। इनमें हिमाचली सीडडू, उत्तराखंड की तंदूर चाय, जम्मू–कश्मीर का मशहूर कलारी कुल्चा, हैदराबादी दम बिरयानी, नॉर्थ–ईस्टर्न मोमो, बंगाली फ्राइड फिश, राजस्थान की कैर सागरी, गट्टे की सब्जी, बाजरे की रोटी, बंगाल की हिलसा फिश करी, तेलंगाना का चिकन, केरल की मालाबार बिरयानी, बिहार का लिट्टी–चोखा और पंजाब का सरसों का साग–मक्के की रोटी जैसे लोकप्रिय व्यंजन शामिल हैं। इसमें हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, असम, उत्तर प्रदेश, गोवा और गुजरात सहित कई अन्य राज्य भी भाग ले रहे हैं।

एचआई पॉजिटिव होना 'जिंदगी का अंत' नहीं! विश्व एड्स दिवस पर दूर करें इस बीमारी से जुड़े तीन मिथक

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

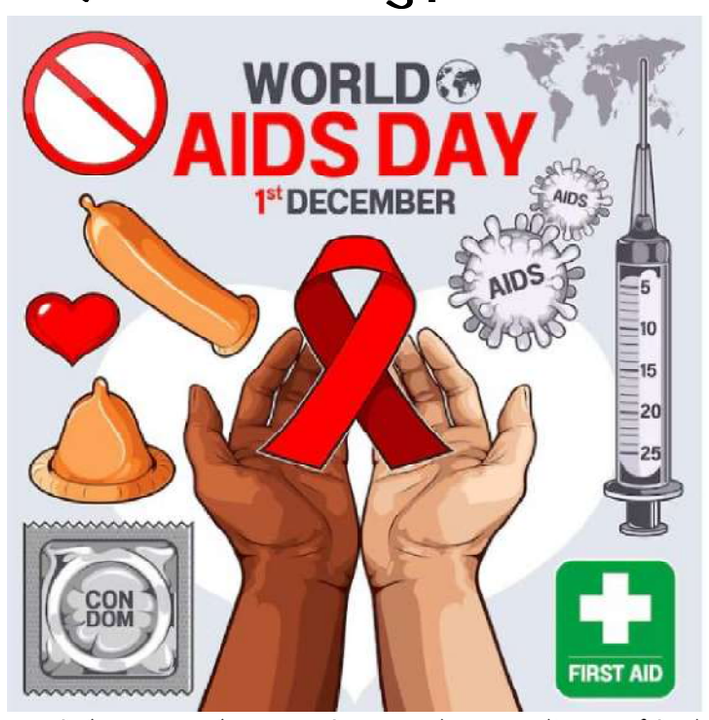

हर साल 1 दिसंबर को दुनिया वर्ल्ड एड्स डे मनाती है। जी हां, एक ऐसा दिन जो न सिर्फ एचआईवी/एड्स से जुड़ी जागरूकता बढ़ाने के लिए जरूरी है, बल्कि उन लोगों के प्रति समर्थन जताने का भी मौका है, जो इस संक्रमण के साथ जीवन जी रहे हैं। इस दिन का असली मकसद है लोगों को एचआईवी/एड्स के बारे में सही जानकारी देना, टेस्टिंग के महत्व को समझाना और इलाज की उपलब्धता के बारे में जागरूक करना।

आज भी कई मिथक और गलतफहमियां लोगों के मन में मौजूद हैं, जो एड्स को खत्म करने के वैश्विक लक्ष्य को पूरा करने में बड़ी बाधा बनती हैं। बता दें, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा न रहने देने का लक्ष्य रखा है, लेकिन डर और गलत जानकारी के कारण एचआईवी से जुड़े कई मिथक आज भी समाज में मौजूद हैं। इसी वजह से वर्ल्ड एड्स डे 2025 पर इन मिथकों की सच्चाई जानना बेहद जरूरी है।

इस साल वर्ल्ड एड्स डे "Overcoming disruption, transforming the AIDS response" थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो बताती है कि एड्स से जुड़ी शर्म, डर और सामाजिक दूरी को खत्म करना कितना जरूरी है। कई दशकों से "एचआईवी पॉजिटिव" टैग के साथ गहरे तौर पर जुड़ी कलंक की भावना लोगों के जीवन को प्रभावित करती रही है। यह कलंक इसलिए भी बना रहता है क्योंकि अब भी बहुत से लोग नहीं जानते कि एचआईवी शरीर को कैसे प्रभावित करता है, कैसे फैलता है और किन तरीकों से इसका इलाज संभव है।

एचआईवी को सही तरह से समझना है जरूरी

मिथक 1: एचआईवी और एड्स एक ही चीज हैं

यह सबसे बड़ी गलतफहमी है।

एचआईवी एक वायरस है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उसे कमजोर बनाता है।

वहीं, दूसरी ओर एड्स एचआईवी संक्रमण का अंतिम चरण है, जो तभी होता है जब एचआईवी का इलाज न किया जाए और इम्यून सिस्टम जरूरत से ज्यादा कमजोर हो जाए।

आज विज्ञान की प्रगति के कारण एचआईवी पॉजिटिव होना एड्स का पर्याय नहीं है। सही इलाज और समय पर थेरेपी के साथ एचआईवी को एक लंबे समय तक नियंत्रित रखा जा सकता है। कुछ लोगों में वायरस शरीर में मौजूद रहता है, लेकिन अपनी प्रतिकृति नहीं बनाता– इसे डॉरमेंट या निष्क्रिय अवस्था कहा जाता है। यह स्थिति आधुनिक एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी के लिए भी चुनौतीपूर्ण है।

मिथक 2: एचआईवी पॉजिटिव होने का मतलब जीवन खत्म

यह सोच अब पुरानी और वैज्ञानिक रूप से गलत है। 1980 और शुरुआती 1990 के दशक में एचआईवी से संक्रमित लोगों के लिए स्थिति बहुत मुश्किल थी, जिसके कारण यह मिथक पैदा हुआ, लेकिन आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।

एचआईवी पॉजिटिव लोग एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी के सहारे बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकते हैं।

एचआईवी को अब एक क्रॉनिक हेल्थ कंडीशन की तरह माना जाता है, जैसे डायबिटीज या ब्लड प्रेशर।

समय पर इलाज और नियमित दवाओं से व्यक्ति लॉन्ग, हेल्दी और एक्टिव लाइफ जी सकता है।

मिथक 3: सामान्य संपर्क से एचआईवी फैल जाता है

यह भी एक आम गलतफहमी है।

एचआईवी न तो हवा से फैलता है, न थूक से और न ही किसी साधारण संपर्क से।

हाथ मिलाना, गले लगना, साथ बैठना, एक ही बाथरूम का इस्तेमाल, एक ही गिलास से पानी पीना, दरवाजे की कुंडी छूना, खाना शेयर करना।

इनमें से किसी से भी एचआईवी नहीं फैलता।

एचआईवी को फैलने के लिए कुछ खास बॉडी फ्लूड्स की जरूरत होती है और वायरस शरीर के बाहर बहुत देर तक जीवित नहीं रह पाता। इसका इन्फेक्शन आमतौर पर अनप्रोटेक्टेड सेक्स या इन्फेक्टेड सुई के संपर्क से फैलता है।

अगर कोई व्यक्ति अपनी ART दवाएं समय पर और नियमित रूप से लेता है, तो शरीर में वायरस की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि लैब टेस्ट भी उसे पकड़ नहीं पाते। 2019 की एक मेडिकल शोध के अनुसार, अंडिटेक्टेबल एचआईवी दूसरों को फैल नहीं सकता। इसका मतलब है कि सही इलाज न सिर्फ मरीज को हेल्दी रखता है बल्कि इन्फेक्शन को फैलने से भी रोकता है।

भारत ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, पहली बार हिस्सा लेकर 8वीं रैंक हासिल की

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर।

भारत ने वैश्विक कौशल मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की जब देश ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता 2025 में अपनी पहली हिस्सेदारी की और प्रतिभागी 29 देशों के बीच शानदार 8वीं जगह हासिल की। इस क्षेत्र के अग्रणी स्किल इकोसिस्टम की तुलना में अपनी पहली कोशिश में, भारत ने ज़्यादा डिमांड वाले और उभरते हुए ट्रेड में शानदार अनुशासन, नवाचार और वैश्विक मानक का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के नेतृत्व में, एनएसडीसी और दूसरे तकनीकी भागीदारों ने प्रशिक्षण और तैयारी के दायित्व को संभाला। भारतीय टीम में 23 प्रतिभागी थे, जिन्होंने कौशल की 21 श्रेणियों में हिस्सा लिया। उनके साथ 21 विशेषज्ञ थे और उन्होंने टीम का समर्थन भी किया।

टीम ने ट्रेडिशनल और टेक–ड्रिवन कौशल श्रेणियों, दोनों में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने एक रजत, दो कांस्य पदक और तीन उत्कृष्टता पदक जीते। इससे वैश्विक कौशल उत्कृष्टता में देश की तेज़ी से बढ़ती पहचान का पता चलता है।

पदक के रूप में उपलब्धियां:

रजत– पेंटिंग और डेकोरेटिंग: मुस्कान

कांस्य– इंडस्ट्रियल डिज़ाइन टेक्नोलॉजी: कोमल पांडा

कांस्य– रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशन: शिवम सिंह और दिनेश आर

उत्कृष्टता पदक– बिज़नेस के लिए सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट: मोहम्मद मफ़ाज़ पी आर

उत्कृष्टता पदक– वेब टेक्नोलॉजीज़: आदित्य नंदन

उत्कृष्टता पदक– इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन: धनुष एम जी

महिला प्रतिस्पर्धी शानदार परफॉर्मर के तौर पर उभरीं, उन्होंने पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया और भारत के स्किलिंग इकोसिस्टम में युवा महिलाओं की बढ़ती लीडरशिप को दिखाया। उन्होंने अपारंपरिक कौशल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और देश में श्रेष्ठ पदक से सम्मानित हुईं, अलग–अलग कौशलों में सभी भारतीय प्रतिभागियों में सबसे ज़्यादा अंक हासिल किए।

भारत की इस कामयाबी पर, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयंत चौधरी ने कहा, "विश्व कौशल एशिया 2025 में भारत का प्रदर्शन हमारी युवा प्रतिभा के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अनुशासन को दिखाता है। यहां मिला हर पदक और हर पहचान हमारे प्रतिस्पर्धियों की कड़ी मेहनत, उनके प्रशिक्षक के समर्पण और भारत के स्किल इकोसिस्टम की बढ़ती ताकत का सबूत है। जैसे–जैसे हम ज़्यादा टेक्नोलॉजी–ड्रिवन और ग्लोबली कनेक्टेड इकॉनमी की ओर बढ़ रहे हैं, ये अचीवर हमें याद दिलाते हैं कि कौशल सिर्फ़ नौकरी पाने का ज़रिया नहीं हैंकृवे देश की तरक्की के साधन हैं। भारत को गर्व महसूस कराने के लिए हमारे सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई।"

आरजीटी पब्लिक विद्यालय में लगी प्रदर्शनी

श्री विजय पुरम, 30 नवम्बर

आरजीटी पब्लिक विद्यालय ने आज 'आत्मनिर्भर भारत' थीम पर आधारित विज्ञान, गणित, कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने रचनात्मकता, नवाचार और सांस्कृतिक विविधता का शानदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने आत्मनिर्भरता, सतत विकास और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने वाले मॉडल, चार्ट, कलाकृतियाँ और गणितीय अवधारणाएँ प्रस्तुत कीं। डॉ. जय सुन्दर, निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई, ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वार्ड संख्या–10, एसवीपीएमसी की पार्षद श्रीमती मंगई करसी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की जिज्ञासा, नवाचार और रचनात्मकता की सराहना की। विशिष्ट अतिथि ने भी विद्यालय के उत्कृष्ट प्रबंधन की प्रशंसा की और ऐसे सुव्यवस्थित कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षकों और स्टाफ के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के 149वें कोर्स की पासिंग आउट परेड का आयोजन

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के 149वें कोर्स की पासिंग आउट परेड आज पुणे के खडकवासला के खेत्रपाल परेड ग्राउंड में आयोजित की गई। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने परेड का निरीक्षण किया। कुल 329 कैडेटों को सशस्त्र बलों में कमीशन दिया गया। कैडेट सिद्धार्थ सिंह ने परेड का नेतृत्व किया।

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक दीपक कांडपाल को, रजत पदक सिद्धार्थ सिंह को और कांस्य पदक सिद्धि जैन को दिया गया। चीफ ऑफ स्टाफ बैनर गोल्फ स्क्वाड्रन को प्रदान किया गया। 149वें सत्र का दीक्षांत समारोह कल हबीबुल्लाह हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार मुख्य अतिथि थे। कुल 328 कैडेटों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त हुई, जिनमें से 72 को विज्ञान, 92 को कंप्यूटर विज्ञान और 52 को कला में डिग्री प्राप्त हुई। मित्र देशों के 18 कैडेटों को भी डिग्री प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, नौसेना और वायु सेना के 112 कैडेटों को प्रौद्योगिकी में स्नातक के तीन वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण करने का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप का आगाज़ आज से, भारत का पहला मैच नामीबिया से

सैंटियागो (चिली), 30 नवंबर।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप सैंटियागो 2025 का आगाज एक दिसंबर से होगा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने पहले मुकाबले में नामीबिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। कप्तान ज्योति सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम प्रतियोगिता से एक सप्ताह पहले ही सैंटियागो पहुंच गई है। इस बार विश्व कप में पहली बार 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जबकि 2023 तक यह टूर्नामेंट 16 टीमों के प्रारूप में खेला जाता था। कप्तान ज्योति सिंह ने टीम की तैयारियों पर विश्वास जताते हुए कहा, "हम एक हफ्ता पहले यहां पहुंचे थे, ताकि बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। टीम ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया है और मनोबल काफी ऊंचा है। हमारा पहला मैच नामीबिया से है और हम शुरुआत से ही मजबूत लय बनाना चाहते हैं। सभी खिलाड़ी योजनाओं को अमल में लाने के लिए उत्सुक हैं और हम हर मैच पर फोकस रखते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।"

टूर्नामेंट के विस्तारित प्रारूप में 24 टीमों को छह पूलों में बांटा गया है। भारत अब तक सातवीं बार जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में भाग ले रहा है।

वोकल कॉर्ड : जिस पर टिकी है आपकी आवाज की पिच और टोन, जानें कैसे करता है काम

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

वोकल कॉर्ड (स्वर यंत्र) मानव शरीर का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण अंग है, जो हमारी आवाज उत्पन्न करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। ये दो पतली मांसपेशियों की पट्टियां होती हैं जो लैरिंक्स (कंठ या वॉइस बॉक्स) के अंदर स्थित होती हैं। जब हम बोलते हैं या गाते हैं, तो फेफड़ों से निकली हवा इन पट्टियों से गुजरती है, जिससे कंपन (वाइब्रेशन) उत्पन्न होते हैं और यही कंपन हमारी आवाज का स्वर बनाते हैं।

वोकल कॉर्ड की लंबाई और लचीलापन हमारी आवाज के स्वर, पिच और तीव्रता को निर्धारित करते हैं। पुरुषों में ये पट्टियां थोड़ी बड़ी होती हैं, जिससे उनकी आवाज भारी और गहरी होती है, जबकि महिलाओं में ये छोटी होती हैं, जिससे उनकी आवाज अधिक तीव्र और हल्की होती है।

वोकल कॉर्ड का महत्व केवल आवाज उत्पन्न करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे श्वसन तंत्र की सुरक्षा और नियंत्रण में भी अहम भूमिका निभाता है। ये श्वास की दिशा को नियंत्रित करते हैं और हवा को सही दिशा में प्रवाहित करने में मदद करते हैं। साथ ही, वोकल कॉर्ड भोजन या तरल पदार्थ को गलती से ट्रेकिया (विंडपाइप) में जाने से रोकने का कार्य भी करते हैं, जिससे श्वसन मार्ग सुरक्षित रहता है।

इसके अलावा, यह हमारे आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी दर्पण होती है, क्योंकि हमारी आवाज के टोन और पिच से हमारे प्रभाव और संचार क्षमता का पता चलता है। वोकल कॉर्ड से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याएं भी होती हैं,

जैसे लैरिंजाइटिस (कंठशोथ), वोकल कॉर्ड नोड्यूल्स या पॉलिप्स, वोकल कॉर्ड पैरालिसिस, और रिलक्स लैरिंजाइटिस। इन समस्याओं के कारण आवाज बैठ सकती है, गले में सूजन और खराश हो सकती है, और बोलने में कठिनाई हो सकती है।

इन समस्याओं से बचाव के लिए घरेलू उपायों जैसे तुलसी और अदरक का काढ़ा, शहद और हल्दी का मिश्रण, स्टीम इनहेलेशन, और वॉइस रेस्ट का पालन करना सहायक होता है। योग और प्राणायाम, जैसे भ्रमरी प्राणायाम और ओम चैंटिंग भी वोकल कॉर्ड को मजबूत और स्पष्ट बनाने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद में भी वोकल कॉर्ड की देखभाल के लिए कई औषधियां जैसे यष्टिमधु चूर्ण, कंठ सुधा वटी, और सितोपलादि चूर्ण का उपयोग किया जाता है, जो गले की सूजन, खराश और जलन को दूर करने में सहायक होते हैं।

पानी की कमी शरीर को बना देती है बीमारी का घर, जानिए आयुर्वेद की राय

नई दिल्ली, 30 नवम्बर।

पानी सिर्फ प्यास बुझाने के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए बेहद जरूरी है। सही समय और सही मात्रा में पानी पीने से न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ती है।

आयुर्वेद भी कहता है कि शरीर पंचमहाभूतों से बना है और उनमें जल तत्व का संतुलन सबसे जरूरी है। अगर पर्याप्त पानी नहीं पीते तो शरीर में वात, पित्त और कफ असंतुलित हो जाते हैं और कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। पानी शरीर से जहरीले तत्व बाहर निकालने, पाचन को ठीक रखने, त्वचा की चमक बनाए रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

अगर शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता तो कई समस्याएं सामने आती हैं। सबसे पहले निर्जलीकरण यानी डिहाइड्रेशन होता है, जिससे थकान, सिरदर्द और चक्कर आने लगते हैं। पाचन सही से नहीं होता और कब्ज और अजीर्ण जैसी परेशानी बढ़ जाती है। गुर्दे की समस्याएं, किडनी स्टोन और पेशाब से जुड़ी बीमारियां बढ़ जाती हैं। त्वचा रूखी हो जाती है और मुंहासे और समय से पहले झुर्रियां आ सकती हैं।

मस्तिष्क का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है, इसलिए कमी होने पर एकाग्रता और स्मरण शक्ति प्रभावित होती है। पानी कम होने पर खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे हाई बीपी और हृदय संबंधी रोग का खतरा भी बढ़ता है।

पानी कब और कैसे पीना चाहिए, यह भी जरूरी है।

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना सबसे अच्छा है। यह पेट साफ करता है और कब्ज दूर करता है। खाने से 30 मिनट पहले पानी पीना पाचन के लिए फायदेमंद है, लेकिन खाने के तुरंत बाद पानी पीना अग्नि को धीमा कर देता है। दिनभर में थोड़ा–थोड़ा पानी पीना चाहिए, ताकि गुर्दे पर दबाव न पड़े। गर्मियों में पानी की जरूरत ज्यादा होती है, जबकि सर्दियों में गुनगुना पानी पीना बेहतर है।

कुछ घरेलू नुस्खे भी मददगार हैं। तुलसी का पानी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, धनिया का पानी किडनी और मूत्राशय के लिए अच्छा है और सौंफ का पानी पाचन सुधारता है और शरीर को ठंडक देता है। गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। वयस्कों को रोजाना 2.5–3 लीटर पानी पीना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को उनकी क्षमता के अनुसार पानी देना चाहिए।